प्रश्न बैंक

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

विषय : राजनीति विज्ञान

पंचम पत्र : भारत और विश्व

नोट–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note- Answer any three question of the following.

1. भारत के परंपरागत मूल्यों के स्रोत क्या हैं? व्याख्या कीजिए कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात इन मूल्यों ने भारत के विश्व दृष्टिकोण को किस प्रकार प्रभावित किया है।
2. प्राचीन भारत की आदर्शवादी और यथार्थवादी सोच की परंपरा का विश्लेषण कीजिए। यह विवेचन कीजिए कि नेहरू किस प्रकार और कहाँ तक इन दोनों दृष्टिकोणों को अपने विश्व दृष्टिकोण में सम्मिलित करने में सफल रहे।
3. नेहरूवादी सर्वसम्मत' से आप क्या समझते हैं?
4. भारतीय विदेश नीति के अध्ययन में यथार्थवादी और अंतःनिर्भरता उपागमों में मुख्य अंतरों को स्पष्ट कीजिए।
5. भारतीय विदेश नीति के निर्धारकों में भूगोल, इतिहास एवं परंपरा का वर्णन कीजिए।
6. भारत की विदेश नीति के निर्धारण में घरेलू वातावरण ने कहाँ तक प्रभावित किया है। टिप्पणी कीजिए।
7. बदलती हुई अंतर्राष्ट्रीय प्रवृत्तियों ने भारत की विदेश नीति को कहाँ तक प्रभावित किया है?
8. विदेश मंत्रालय की संरचना और कार्यों का परीक्षण कीजिए।
9. विदेश नीति निर्माण में प्रधानमंत्री कार्यालय के बढ़ते हुए प्रभाव को आप किस प्रकार व्याख्यायित करेंगे?
10. विदेश नीति निर्माण में संसद की भूमिका की चर्चा कीजिए। विदेश नीति निर्माण में संसद की भूमिका को बढ़ाने में संसदीय समितियाँ किस प्रकार सहायता करती हैं?
11. इराजनीतिक दल विदेश नीति के विकास में किस तरह योग देते हैं और उसे कैसे प्रभावित करते
12. क्या दबाव समूह विदेश नीति के निर्माण में कोई भूमिका निभाते हैं?
13. विदेश नीति के निर्माण में चिंतन समूहों की भूमिका बढ़ाने के उपायों की चर्चा कीजिए।
14. भारत की विदेश नीति में नेहरू के योगदान की चर्चा कीजिए।
15. राजीव गांधी की विदेशी मामलों में उपलब्धियों और विसफलताओं का परीक्षण कीजिए।
16. 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में भारत की विदेशी नीति की प्रमुख उपलब्धियों की चर्चा कीजिए।
17. शीत युद्ध के दौर में भारत तथा अमेरिका के बीच राजनीतिक मतभेदों का विवेचन कीजिए।

18. भारत तथा यूरोपीय संघ के बीच मुख्य आर्थिक मतभेद क्या हैं?
19. यूरोपीय संघ और भारत के बीच राजनीतिक मतभेदों का ब्यौरा दीजिए।
20. भारत–यूरोपीय संघ संबंधों की मुख्य सीमाएँ क्या हैं?
21. सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत और रूस के बीच आपसी तनाव के क्या कारण थे?
22. 1990 के दशक के मध्य से भारत–रूस संबंधों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
23. भारत और जापान के बीच प्रारंभिक दोस्ती कड़वाहट में क्यों बदल गई?
24. 1972 के शिमला समझौते की मुख्य विशेषता क्या है?
25. भारत के परमाणु सिद्धांत की महत्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
26. भारत–नेपाली संबंधों पर टिप्पणी लिखिए।
27. भारत–बांग्लादेश संबंधों में क्षोभजनक मुद्दे क्या हैं?
28. शीत युद्ध के दौरान भारत–आसियान संबधों को बढ़ावा देने में भारत क्यों असफल रहा?
29. आसियान के साथ भारत की वार्ता सहभागिता की उपलब्धियों के बारे में अपने विचार लिखिए।
30. आसियान क्षेत्रीय मंच के साथ भारत के संबंधों के संदर्भ में दक्षिण–पूर्व एशिया के साथ भारत के सुरक्षा संबंधों का विश्लेषण कीजिए।
31. केंद्रीय एशिया के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों का वर्णन कीजिए।
32. फिलिस्तीनी मुद्दे पर भारत की नीति के संबंध में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
33. भारत–इज़राइल के उभरते हुए संबंधों की चर्चा कीजिए।
34. इराक संकट के संदर्भ में भारत की अनुक्रिया पर टिप्पणी लिखिए।
35. केंद्रीय एशिया के साथ भारत के संबंध ईरान के लिए क्यों महत्व रखते हैं?
36. युद्धोत्तर वर्षों में भारत–लैटिन अमेरिकी और करीबियाई देशों के संबंधों के पूर्ववृत्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
37. भारत और लैटिन अमेरिका के बीच संबंध में आर्थिक कारकों के महत्व का वर्णन कीजिए।
38. दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका का विवरण दीजिए।
39. भारत–अफ्रीका संबंधों में पारस्परिक सहयोग और मतभेद के कौन–कौन से क्षेत्र हैं?
40. क्षेत्रीय सहयोग की दृष्टि से हिंद महासागर तटवर्ती संघ में भारत और दक्षिण अफ्रीका की भूमिका की व्याख्या कीजिए।
41. उन वस्तुओं के नाम लिखिए जिन्हें अफ्रीका के देश भारत से आयात करते हैं।
42. परमाणु शस्त्रों के प्रसार पर नियंत्रण पाने के लिए उठाए गए मुख्य कदमों का परिचय दीजिए।
43. परमाणु हथियारों की होड़ की रोकथाम की दिशा में भारत के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

44. भारत ने परमाणु अप्रसार संधि का किस आधार पर विरोध किया?
45. भारत की परमाणु नीति के मुख्य तत्व कौन–कौन से हैं?
46. समकालीन अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका की समीक्षा कीजिए।
47. समकालीन आर्थिक संबंधों में क्षेत्रीय सहयोग की बढ़ती हुई भूमिका पर प्रकाश डालिए।
48. चर्चा कीजिए कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ और गैर–सरकारी संगठन मानव अधिकारों की सुरक्षा के प्रति पूर्ण रूप से सजग हैं।
49. भारत की गुटनिरपेक्ष नीति की राजनयिक उपलब्धियों का स्पष्ट रूप में वर्णन कीजिए।
50. संयुक्त राष्ट्र संघ के माध्यम से विश्व शांति और सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के योगदान के कुछ महत्वपूर्ण पक्षों की पहचान कीजिए।

प्रश्न बैंक

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)
विषय : राजनीति विज्ञान
षष्ठ पत्र : पश्चिमी राजनीतिक चिन्तन

नोट–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note- Answer any three question of the following.

1. पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन पर अपने विचार लिखिए।
2. पश्चिमी राजनीतिक चिंतन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
3. प्लेटो द्वारा प्रतिपादित आदर्श राज्य के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
4. प्लेटो के साम्यवाद के सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
5. प्लेटो के शिक्षा सिद्धान्त का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।
6. प्लेटो द्वारा प्रतिपादित न्याय सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए।
7. पश्चिमी राजनीतिक चिंतन में प्लेटो के योगदान की विवेचना कीजिए।
8. ''अरस्तू प्रथम वैज्ञानिक विचारक है।'' स्पष्ट कीजिए।
9. अरस्तू की राज्य की धारणा को स्पष्ट कीजिए।
10. अरस्तू के क्रांति विषयक विचारों का विवेचन कीजिए।
11. संत आगस्टाइन के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिए।
12. एक्वीनास के प्रमुख राजनीतिक विचारों का विवेचन कीजिए।
13. एक्वीनास के कानून सम्बन्धमी विचारों का परीक्षण कीजिए।
14. ''मैकियावली अपने युग का शिशु है।'' स्पष्ट कीजिए।
15. ''मैकियावली प्रथम आधुनिक राजनीतिक विचारक है।'' कथन की व्याख्या कीजिए।
16. मैकियावली के राजनीतिक विचारों का विवेचन कीजिए।
17. हॉब्स द्वारा प्रतिपादित सामाजिक समझौता सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।
18. ''हॉब्स के दर्शन में निरकुंशवाद तथा व्यक्तिवाद दोनों के तत्व समाहित है।'' स्पष्ट कीजिए।
19. हॉब्स की सम्प्रभुता की अवधारणा का विवेचन कीजिए।
20. हॉब्स द्वारा प्रतिपादित सामाजिक समझौता सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।
21. जॉन लॉक के सामाजिक समझौता सिद्धांत का वर्णन कीजिए।
22. हॉब्स तथा लॉक के विचारों का तुलनात्मक अवलोकन कीजिए।
23. लॉक के राजनीतिक चिंतन में योगदान को स्पष्ट कीजिए।

24. ''हॉब्स के दर्शन में निरकुंशवाद तथा व्यक्तिवाद दोनों के तत्व समाहित है।'' स्पष्ट कीजिए।
25. हॉब्स की सम्प्रभुता की अवधारणा का विवेचन कीजिए।
26. रूसों के सामान्य इच्छा के सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
27. रूसो के राजनीतिक विचारों का विवेचन कीजिए।
28. हॉब्स, लॉक तथा रूसों के सामाजिक समझौता सम्बन्धी विचारों तुलनात्मक विवेचन कीजिए।
29. राजनीतिक चिंतन में बर्क के योगदान का परीक्षण कीजिए।
30. बर्क के प्रमुख राजनीतिक विचारों का विवेचन कीजिए।
31. काण्ट के राजनीतिक दर्शन को स्पष्ट कीजिए।
32. ''राज्य का आधार शक्ति नहीं इच्छा है।'' कथन की समीक्षा कीजिए।
33. बेंथम के उपयोगितावाद के सिद्धान्त का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।
34. बेंथम के प्रमुख राजनीतिक विचारों का विवेचन कीजिए।
35. डी टाकविले का राजनीतिक दर्शन में योगदान स्पष्ट कीजिए।
36. मिल की स्वतंत्रता की धारणा का विवेचन कीजिए।
37. पाश्चात्य दर्शन में मिल के योगदान का विवेचन कीजिए।
38. मिल की प्रतिनिधि शासन सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
39. बेन्थम के उपयोगितावाद में मिल ने क्या संशोधन किए। स्पष्ट कीजिए।
40. हीगल की द्वंद्वात्मक पद्धति का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।
41. हीगल राज्य सम्बन्धी विचारों का परीक्षण कीजिए।
42. राजनीतिक चिंतन में हीगल के योगदान का विवेचन कीजिए।
43. मार्क्स के अतिरिक्त मूल्य के सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।
44. मार्क्स के इतिहास के भौतिकवादी व्याख्या के सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए।
45. मार्क्स के राज्य सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
46. मार्क्स की द्वन्द्ववादी प्रक्रिया को अपने विचारो के साथ स्पष्ट कीजिए।

<u>प्रश्न बैंक</u>

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)
विषय : राजनीति विज्ञान
सप्तम पत्र : आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन

नोट–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note- Answer any three question of the following.

1. मनु द्वारा प्रतिपादित संप्तांग सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।
2. राजा के कर्तव्य या राज्य के कार्य क्षेत्र में मनु के दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए। क्या मनु का राजा निरंकुश है?
3. मंत्रियों एवं मंत्रिपरिषद् के विषय के मनु के विचारों की व्याख्या कीजिए।
4. औपनिवेशिकता आधुनिकता के प्रश्न पर विद्वानों में भिन्न भिन्न विचारधाराओं की चर्चा कीजिए।
5. प्राच्यवाद और औपनिवेशिक कथन के संबंध में राष्ट्रवाद की चिन्ता स्पष्ट कीजिए।
6. उदार विचारों के संदर्भ में राष्ट्रवाद और उसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
7. हिन्दू धर्म सहिष्णुता का प्रतीक है, सिद्ध कीजिए।
8. आधुनिक भारत में समाज सुधार की धाराओं को स्पष्ट कीजिए।
9. नारी गरिमा की आधुनिक भारत मे आवश्यकता क्यों बनी?
10. "स्वामी दयानन्द सरस्वती राष्ट्र के अग्रदूत थे।" इस कथन को सिद्ध करते हुए राष्ट्रवाद में उनका योगदान बताओ।
11. दयानन्द सरस्वती के राजनीतिक विचारों पर प्रकाश डालिए।
12. स्वामी दयानन्द के धार्मिक एवं सामाजिक चिन्तन पर लेख लिखिए।
13. ज्योतिबा फूले के प्रमुख विचारां का उल्लेश कीजिए।
14. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में उदारवादी विचारधारा की कार्यपद्धति पर प्रकाश डालिए।
15. उदारवादी विचारधारा के योगदान का उल्लेख कीजिए।
16. उग्रवाद व उदारवादी विचारधारा की तुलनात्मक विवचेना कीजिए।
17. नौरोजी के प्रमुख राजनीतिक विचार बताओ।
18. नौरोजी के आर्थिक विचारों की व्याख्या करते हुए प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

19. रानाडे के राजनीतिक विचारों का उल्लेख कीजिए।
20. "मानवीय गरिमा समाज का आधार है" इस कथन को सिद्ध करते हुए रानाडे के सामाजिक विचारों का उल्लेख कीजिए।
21. रानाडे के धार्मिक विचारों का विश्लेषण कीजिए।
22. लोकमान्य तिलक का जीवन परिचय बताते हुए, राजनीतिक विचारों पर प्रकाश डालिए।
23. तिलक की भारतीय राजनीतिक चिन्तन को क्या देन है?
24. व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के संबंध में तिलक के विचार बताओ।
25. तिलक द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रवाद की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
26. स्वराज्य प्राप्ति के साधनों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
27. स्वामी विवेकानन्द के राजनीतिक विचारों पर प्रकाश डालिए।
28. भारतीय राजनीतिक चिन्तन के इतिहास में स्वामी विवेकानन्द का क्या योगदान रहा?
29. स्वामी विवेकानन्द के जीवन परिचय का उल्लेख कीजिए।
30. विश्व बन्धुत्व एवं अन्तरराष्ट्रीयवाद के क्षेत्र में विवेकानन्द के विचार बताओ।
31. विवेकानन्द द्वारा समाजवाद के समर्थन के पीछे मूल कारण क्या था?
32. श्री अरविन्द घोष के राजनीतिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।
33. अरविन्द घोष के राजनीतिक चिन्तन के आध्यात्मिक आधार पर प्रकाश डालिए।
34. अरविन्द को राष्ट्रवाद की संकल्पना का उल्लेख कीजिए।
35. भारत में हिन्दूत्व की राजनीति पर प्रकाश डालिए।
36. सावरकर के द्वारा प्रतिपादित हिन्दुत्व की अवधारणा का उल्लेख कीजिए।
37. मिश्रित विद्यालय की स्थापना पर सावरकर के विचार बताए।
38. हिन्दूत्व व राष्ट्रवाद के पारस्परिक संबंधों की विवेचना कीजिए।
39. "हिन्दु–मुस्लिम विचारकों की कट्टर सोच ने साम्प्रदायिकता को बढ़ाया है।" इस विचार को सिद्ध करते हुए साम्प्रदायिकता पर प्रकाश डालिए।
40. "साम्प्रदायिकता का नासूर आज भी हमें प्रभावित कर रहा है।" ऐतिहासिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साम्प्रदायिकता के कारणों की विवेचना कीजिए।
41. न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने के लिए नायकर की एकजुटता की विचारधारा को स्पष्ट कीजिए।
42. तमिलनाडु में नायकर के द्रविड़ आन्दोलन पर टिप्पणी लिखिए।
43. महिलाओं के अधिकारों और समाज सुधार के लिए रमाबाई के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
44. गांधीजी के प्रमुख्य आर्थिक विचार क्या है?

45. निम्न पर टिप्पणी लिखिए–

सत्ता का विकेन्द्रीकरण, 2.अहिंसात्मक समाज, 3. वर्णव्यवस्था, 4. अस्पृश्यता का अन्त

46. नेहरू के लोकतांत्रिक समाजवाद के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

47. नेहरू के राष्ट्रवाद संबंधी विचार बताओ।

48. नेहरू के साम्प्रदायिकता को किस प्रकार समझने का प्रयास किया।

49. अम्बेडकर दलितोद्धार संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

50. अम्बेडकर की नवीन समाज व्यवस्था का उल्लेख कीजिए।

<u>प्रश्न बैंक</u>

एम. ए. (उत्तरार्द्ध)

विषय : राजनीति विज्ञान

अष्टम पत्र : भारत में राज्य राजनीति

नोट–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note- Answer any three question of the following.

1. स्वतंत्रता–पश्चात् प्रथम दो दशकों में भारत में राज्यीय राजनीति के प्रभावी लक्षण क्या रहे?
2. कांग्रेस प्रणाली अथवा प्रबल–दल प्रणाली के पतन के क्या कारण रहे?
3. भारत में राज्यीय राजनीति पर पहचानों के प्रभाव को स्पष्ट करें।
4. राज्यीय राजनीति के अध्ययनार्थ व्यवस्थित दृष्टिकोण को किस प्रकार प्रयोग किया जाता है ? चर्चा करें।
5. मार्क्सवादी दृष्टिकोण के मूल अभिलक्षणों पर प्रकाश डालें।
6. राज्यीय राजनीति में पहचानों, नए सामाजिक आन्दोलनों एवं चुनावों के अध्ययन हेतु विभिन्न दृष्टिकोण किस प्रकार प्रयोग किए जाते हैं ? चर्चा करें।
7. उन तरीकों पर चर्चा करें जिनसे राष्ट्रवादियों ने जाति एवं अस्पृश्यता का प्रत्युत्तर दिया। क्या येप्रतिक्रियाएँ राष्ट्रवादियों के उच्च–जाति पूर्वाग्रहों द्वारा आकार प्रदान की गई थीं, जैसा कि अम्बेडकर यापेरियर ने दावा किया?
8. राष्ट्रवादियों ने धार्मिक विविधताओं और सम्प्रदायवाद का किस प्रकार जवाब दिया?
9. विभिन्न प्रकार की विविधता के प्रति राष्ट्रवादी प्रतिक्रियाओं की उपयुक्तता के संबंध में इस इकाई के मुख्यदावों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें।,
10. संविधान ने शक्ति के विधायी विभाजन के संबंध में भारतीय संघ के ताने–बाने में राज्यों की स्वायत्तता कीकिस हद तक परिकल्पना की?
11. भारत में राज्यों पर संघ के कार्यकारी नियंत्रण की क्या सीमा है?
12. संघ–राज्य संबंध में राज्यपाल की भूमिका का अवलोकन करें।
13. अंग्रेजों द्वारा भारत पर कब्जा करने के तरीके का सूत्रबद्ध वर्णन करें।
14. अंग्रेजों के अधीन भारत की सीमाक्षेत्रीय व्यवस्था के विकास प्राप्त होने संबंधी प्रतिमान का सूत्रबद्ध वर्णन करें।
15. भारतीय संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत की राज्यसीमा को किस प्रकार व्यवस्थित किया ?
16. लोकतंत्र में चुनाव की भूमिका पर आलोचनात्मक दृष्टि डालें और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान कराने मेंभारतीय चुनाव आयोग की भूमिका का मूल्यांकन करें।
17. भारत में चुनावी व्यवहार के मुख्य निर्धारक तत्त्व क्या हैं? मतदान व्यवहार के एक निर्धारक तत्त्व के रूपमें जाति की भूमिका पर आलोचनात्मक चर्चा करें।
18. चुनाव सुधार क्या हैं? चुनाव सुधारों के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों पर चर्चा करें।
19. ''भारत में राज्यीय दल पद्धतियाँ राष्ट्रीय दल पद्धति से गहरे संबंध एवं अन्तर्क्रिया के साथ ही विकसितहुई हैं।'' उक्त कथन पर चर्चा करें।

20. कांग्रेस के आधिपत्य युग का संक्षिप्त विश्लेषण करें।
21. भारत में बहुदलीय पद्धति की दिशा में हुए घटनाक्रम पर सूक्ष्म दृष्टि प्रस्तुत करें। कोई एक उदाहरणभी दें।
22. सामाजिक आन्दोलनों एवं विरोध–आन्दोलनों के बीच संबंधों पर चर्चा करें।
23. नक्सलवादी आन्दोलनों पर एक टिप्पणी लिखें।
24. छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा का विश्लेषण करें।
25. विकास के विभिन्न अर्थों के अनुसार मुख्य विकासात्मक मुद्दों की पहचान करें।
26. भारत में क्षेत्रीय विषमताओं के विषय में आप क्या निष्कर्ष निकालते हैं ?
27. भूमि सुधारों व कृषिक परिवर्तन के बीच संबंधों को स्पष्ट करें।
28. भूमि सुधारों के क्या सीमा–बंधन थे?
29. राजनीति में कुलकों की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखें।
30. उस उद्यौगिक नीति के अभिलक्षणों की पहचान करें जिसकी अभिकल्पना भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अवाड़ी सत्र में की गई थी।
31. भारतीय राज्यों में उद्योगीकरण के प्रतिमानों पर चर्चा करें।
32. कामगार वर्ग पर निजीकरण के प्रभाव विषयक चर्चा प्रस्तुत करें।
33. वे कारक क्या हैं जिन्होंने भारत को आर्थिक सुधारों का मार्ग अपनाने की ओर प्रवृत्त किया?
34. भारत की आर्थिक सुधार–नीति विषयक विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा करें।
35. भारत में राज्यीय राजनीति पर भूमण्डलीकरण के क्या निहितार्थ हैं?
36. भारत में संघवाद के संबंध में जल व सीमाक्षेत्रीय विवादों का प्रसंग प्रस्तुत करें।
37. अन्तरराज्यीय जल–विवादों के बने रहने की स्थिति हेतु कारकों का विश्लेषण करें।
38. अन्तरराज्यीय सीमाक्षेत्रीय विवादों पर एक टिप्पणी लिखें।
39. साम्प्रदायिक राजनीति क्या है? साम्प्रदायिक राजनीति व राजनीतिक विकास के बीच संबंध पर चर्चा करें।
40. इतिहास की किस प्रकार की व्याख्या पर साम्प्रदायिक राजनीति भरोसा करती है?
41. वर्तमान भारत में साम्प्रदायिक राजनीति के प्रतिमान क्या हैं?
42. भारत में दलितों व अन्य–पिछड़े–वर्गों की सामाजिक–आर्थिक दशा पर चर्चा करें।
43. दलितों की अधिकार–माँग हेतु योगदान करने वाले कारक कौन–से हैं ?
44. भारत में पिछड़ी जातियों की अधिकार–माँग पर एक टिप्पणी लिखें।
45. भाषाई अल्पसंख्यक वर्गों के अभिलक्षणों पर चर्चा करें।
46. भारतीय राज्यों में भाषाई अल्पसंख्यकों की राजनीति के अभिलक्षणों की पहचान कर उन पर चर्चा करें।
47. भारतीय राज्यों में भाषाई अल्पसंख्यकों की राजनीति के मापदण्डों पर चर्चा करें।
48. स्वायत्तता आन्दोलन के अभिलक्षणों की पहचान कर विवेचना करें।
49. कांग्रेस आधिपत्य और जनता शासन के बीच स्वायत्तता आन्दोलनों की प्रकृति की तुलना करें।
50. गठबंधन राजनीति के युग में स्वायत्तता आन्दोलन पर टिप्पणी करें।